Bharat Temples

राधे बोलिये जय श्री राधे

एक रोज़ रुक्मण ने दिया था गरम कृष्ण को दूध
गरम दूध ने जब हृदय में करी उछाल और कूद
तो मुख से निकला राधे बोलिये जय श्री राधे

है राधा में क्या ऐसा जो मुझमे नहीं है साजन
कभी मेरा नाम पुकारो क्या कमी है मुझमे साजन
करती हूँ मैं दिलो जान से तुमसे प्रेम अटूट
कहाँ से आ गई राधे बोलिये जय श्री राधे

तुम नहीं मिली राधा से एक बार देख लो मिलके
जब करोगी उनके दर्शन तो मिटेंगे शिकवे दिल के
आ जायेगा समझ में खुद ही क्या सच है क्या झूठ
बड़ी है प्यारी राधे बोलिये जय श्री राधे
कहाँ से आ गई राधे बोलिये जय श्री राधे

श्री राधा से मिलने चली रुक्मणि फकत अकेली
देख कक्ष के बहार एक नारी नै नवेली
समझ के उसको राधा रानी गई चरणों में टूट
और बोली जय राधे तुम्हारे जय हो राधे
कहाँ से आ गई राधे बोलिये जय श्री राधे

मैं दासी हूँ राधा की ना हूँ मैं राधा रानी
छह द्वार पार करने पर तुम्हे मिलेंगी राधा रानी

चली जाओ तुम एकदम सीधे अपनी आँखें मूँद
वही रहती हैं राधे किशोरी जय श्री राधे
कहाँ से आ गई राधे बोलिये जय श्री राधे

रह गई रुक्मणि हैरत में जब महल में देखि राधा
छाले पड़े हुए थे उसके तन पे बड़े ही ज़्यादा
किसी किसी छाले से बह रही थी पानी की बूँद
लगा रही मरहम राधे बोलिये जय श्री राधे
कहाँ से आ गई राधे बोलिये जय श्री राधे

एक तेरे कारण रुक्मण ये हाल हुआ है मेरा
कल वाले गर्म दूध से तन जला हुआ है मेरा
कहे अनाड़ी कभी न देना गरम कृष्ण को दूध
रहे ह्रदय में राधे बोलिये जय श्री राधे
कहाँ से आ गई राधे बोलिये जय श्री राधे

Source: https://www.bharattemples.com/radhe-boliye-jai-shri-radhe/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw